तमाई

काव्य संग्रह

टी.आर. त्रिपाठी "रूद्र"

तमाई

काव्य संग्रह

22/4/18

कवि परिचय

तिलकराम त्रिपाठी छद्म नाम देवर्षिनारद, काकभुशुण्डि

प्रचलित नाम : टीकाराम त्रिपाठी उपाख्य रूद्र त्रिपाठी

पितृ नाम : पं. जगन्नाथ प्रसाद त्रिपाठी, शास्त्री ज्योतिर्विद

मातृनाम : श्रीमती वीणादेवी त्रिपाठी

पितामह नाम : स्व. पं. दशरथ प्रसाद त्रिपाठी, पुरोहित

जन्मस्थली : ग्राम बहरोल, थाना बहरोल, तह. बण्डा बेलई जिला सागर (म.प्र)

जन्मोपरान्त : 58/25 रामपुरा वार्ड सागर

जन्मतिथि : सं 2014 आश्विन कृष्ण अमावाश्या, दिनांक 01.07.1957

पत्नी : सौ. वनिता शुक्ल, गोपालगंज सागर

शिक्षा दीक्षा : प्राथमिक शाला रामपुरा सागर से पॉचवीं उत्तीर्ण, बाल्यकाल में पिता के सम्मुख पाणिनीय लघु सिद्धान्त–कौमुदी, पंचसंधि प्रकरण तथा सत्यनारायण कथा के पॉचों अध्याय संस्कृत में कण्ठस्थ। पं मोतीलाल नेहरू उ.मा. विद्यालय सागर में कक्षा 6 से 11 तक गणित विज्ञान संकाय से वरेण्य शिक्षक पं श्री उमाशंकर चौबे एवं श्री रमाकान्त मिश्रा के सान्निध्य में अध्ययन। शालेय सांस्कृतिक मंत्री रहे । शालेय एवं अंतर्शालेय स्तर पर वाद विवाद, अत्याक्षरी, भाषण, निबन्ध आदि अनेकानेक प्रतियोगिताओं के प्रमाण पत्र, प्रशस्ति– पत्र।

नगर के श्रेष्ठ विद्वान स्व. पं राधेलालजी शिलाकारी 'वैदिक' द्वारा सन् 1974 में उपनयन संस्कार द्वारा दीक्षित/ सागर वि.वि. से पं हीरालाल दुबे ज्योतिषी के सान्निध्य में बी.ए. हिन्दी, संस्कृत शिक्षाशास्त्र एंव सामान्य अंग्रेजी से किंया। व्याकरणाचार्य पं जीवनलाल जी अग्निहोत्री से कनकधारा स्तोत्र सीखा। शासकीय बुनियादी प्रशिक्षण संस्था सागर से 1976–77 में बी.टी.सी प्रशिक्षण और शासकीय शिक्षण सेवारंभ।

भारतीय विद्या भवन बंबई से संस्कृत साहित्य में उत्तरमध्यमा/ श्री गीता रामायण परीक्षा समिति ऋषिकेश पौढ़ी–गढ़वाल (उ.प्र) की संपूर्ण मानस परीक्षाएँ उत्तीर्ण रामायण विशारद/ हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग से आयुर्वेद–रत्न की उपाधि/ सागर विश्वविद्यालय से विधि स्नातक एल–एल.बी की उपाधि/ तदुपरान्त हिन्दी साहित्य में स्नातकोत्तर उपाधि/ अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर उपाधि/ बी.एड. उपाधि, संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर उपाधि एम.एड. की उपाधि सम्प्रति शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि. सागर में अध्यापनरत।

कविता कर्म – सन् 1975 से प्रारंभ/ आरम्भकाल में छन्दोबद्ध रचनाएँ लिखी। सन 1981 से अनवरत संवेदनशील लेखन, चिंतन एवं अभिव्यंजना/ मार्क्सवाद से प्रभावित काव्यकर्म में रत अनेक पत्र पत्रिकाओं में रचनाएँ प्रकाशित।

रूचि एवं सृजन – काव्य, निबन्ध लेखन, कवि सम्मेलनों तथा आकाशवाणी में काव्यपाठ, नाट्य में अभिरूचि, हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत भाषाओं में सम्भाषण/ इत्यादि, अंतः विभीषिका, दरअसल, निगदितम् काकोलूकीयम्, आर्तनाद, जनरल प्रमोशन, गद्य, पद्य एवं नाट्य संकलन, संस्कृत बुन्देली शब्दकोष, त्रिभाषायी व्याकरण प्रकाशनाधीन।

पसंदीदा रचनाकार – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, डॉ रामविलास शर्मा, हरिशंकर परसाई, डॉ नामवरसिंह निराला, मुक्तिबोध, नागार्जुन, त्रिलोचन, धूमिल, अरूणकमल एवं समकालीन प्रगतिशील लेखक ।

सम्प्रति – 1 टीचर्स क्वार्टर्स, एम.एल.बी स्कूल कैम्पस गोपालगंज सागर (म.प्र.) मोबाइल नम्बर – 9424405067

तमाई

काव्य संग्रह

टीकाराम त्रिपाठी

अकादमिक प्रतिभा

दिल्ली - 110031 (भारत)

तमाई : काव्य संग्रह

© टीकाराम त्रिपाठी

सर्वाधिकार सुरक्षित

इस पुस्तक के किसी भी अंश का किसी भी रूप में चाहे इलैक्ट्रॉनिक अथवा मैकेनिक तकनीक से, फोटोकापी द्वारा या अन्य किसी प्रकार से पुनर्प्रकाशन अथवा पुनर्मुद्रण, प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता है।

आई एस बी एन : 978-93-80042-25-1

प्रकाशक : **अकादमिक प्रतिभा**
42, एकता अपार्टमेंट, गीता कालोनी
दिल्ली-110031 (भारत)
दूरभाष-011-22453953, 22445526, 9899242486
ई-मेल : rkgpost@gmail.com
वेबसाईट : www.academicpratibha.com

मूल्य : 275.00
प्रथम संस्करण : 2010
शब्दांकन : अनुज प्रिन्टर्स, दिल्ली
मुद्रक : एच. एस. प्रिंटर्स, नई दिल्ली—110032

समर्पण

समतामूलक समाज की
स्थापना में रत : दुनियाँ की
तमाम क्रांतिकारी
शक्तियों / इकाइयों
को

अनुक्रमणिका

	आमुख	*vii*
	आभार	*viii*
	"तमाई" के कवि की ललक और हौसला	*x*
	कवि का रचना कर्म	*xi*
	प्रगतिशील चेतना का साहसिक अभियान	*xii*
	तमाई के कवि रूद्र जी	*xv*
	"तमाई और उसका कवि"	*xviii*
1.	तमाई	1
2.	लाल तिरंगा	5
3.	पडताल	11
4.	सारिका की जन्मतिथि पर	14
5.	एण्ड कम्पनी	17
6.	मैं नास्तिक हूँ	19
7.	एकता के अपररूप	25
8.	एकता भाग–1	30
9.	दीपक का तबादला	35
10.	एकता भाग –2	39
11.	आमंत्रण	43
12.	हम मध्यप्रदेश हैं	44
13.	चर्चा	45
14.	इस्लाम अकदस के लिए	46
15.	आग	48
16.	मै तटस्थ हूँ	50
17.	आप – 1987	51
18.	छः जून	55
19.	बनारसीदास का इन्टरव्यू	58
20.	दीपावली की हाट	62

21. दीपक के नाम बेलपत्र
22. खानदानी दीपावली
23. समय
24. ख्वाजा अहमद अब्बास के लिए
25. रसायन
26. निरंक
27. मानवता गुजरी
28. तुलसी
29. होली
30. इस होली पर
31. किसान की परखनली
32. अग्निपथी
33. राम जाने
34. विकास के आयाम
35. पंक्चर बनाने वाला बच्चा
36. हिन्दू संस्कृति के अनुसार
37. अयोध्याकाण्ड
38. तर्पण
39. दिशा
40. शब्द दर्पण
41. रूप की भाषा
42. धूमिल के लिए
43. याम्योत्तर
44. किसकी भूल है
45. सरला/वर ला
46. भूकम्प
47. पीयरलैस कविता
कवि परिचय

तमाई

मेरे एक मित्र ने कहा
आजकल कुछ अनमने से हो
समझ में नहीं आता
हमें देखकर बन गए
या पहले से ही तने से हो
तोड़ते हुए मैंनें अपनी अन्यमनस्कता को
अपना भेद इस प्रकार खोला
मानों दाग दिया हो एक मन का गोला
और कहा–सोयाबीन की पौध में फलियाँ तो ठीक
कलियाँ भी नहीं आई इस बार
होना है बण्टाढार
बीज का कर्ज चुकाना है बीज निगम को
ट्रेक्टर का बिल भी बकाया है
रनियाँ को लड़का देखा था
शायद वह भी हाथ से निकल जाए
इस साल दिवाली पर सेठ को
किराने की उधारी कैसे देंगे ?
 वह बोला–
तुम्हारे अनमने होने का क्या यही रहस्य है ?
मैंने कहा– जी हाँ
आजकल मैं ही नहीं
अनमना तो मेरे परिवार का प्रत्येक सदस्य है
बैंक वाले गरीबों के बैल छुड़ाते हैं
और अमीरों के अरबों के कर्ज को बताते हैं डूबन्त खाता

टी.आर. त्रिपाठी "रुद्र"

'जुताई' हिन्दी में वह प्रक्रिया तंत्र है जिसके माध्यम से किसान अपने खेत को उत्तम फसल की प्राप्ति के उद्देश्य से बीज वपन योग्य बनाता है। मैंने अपने इस संकलन में ये सैंतालीस कविताएँ संग्रहीत की हैं ताकि मानवीय सामाजिक जुताई में मेरे साथ कुछ लोग सम्मिलित हों, मैं इसे सामयिक आवश्यकता मानता हूँ, इस आशय से कि शायद मेरी कविताओं से लोग सहमत न हों और निरूपित सत्य उन्हें कड़ुवा लगे किन्तु रोगांतक औषधि तो कड़ुवी होती ही है, मानवीय संवेदनाओं पर जो जंग का आवरण चढ़ा है वह शायद संकुचित संवेदनों को स्वास्थ्य लाभ देने में सहायक होगा।

Rs. 275/-

अकादमिक प्रतिभा